समाचार वाणी

ख़बर जो करें असर !

नाशिक | **Tuesday, 18 August 2026**

तेजस्वी यादव बोले – मुख्यमंत्री का चेहरा सही समय पर तय होगा, जनता का जनादेश सर्वोपरि

Publisher — Published on 16 Sep 2025

बिहार की राजनीति में इन दिनों सबसे बड़ा सवाल यह है कि आगामी विधानसभा चुनाव में **मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा ?** इस पर लग रही अटकलों को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद (RJD) नेता **तेजस्वी यादव** ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि –

> *“[illegible]”*

तेजस्वी का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब विपक्षी दलों के बीच नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी और गठबंधन का सबसे बड़ा एजेंडा **जनता की समस्याओं को हल करना और बेहतर विकल्प देना** है। उन्होंने कहा कि अभी से चेहरा तय करने की जल्दबाज़ी नहीं की जाएगी। सबसे पहले जनता तक अपनी नीतियां और कार्यक्रम पहुंचाना जरूरी है। बिहार की जनता ही तय करेगी कि किसे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठना चाहिए। तेजस्वी ने कहा कि विपक्षी दलों के बीच तालमेल और साझा मुद्दे ही चुनाव का असली चेहरा होंगे।

तेजस्वी यादव ने केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में **बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा** जैसी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री की बदलती राजनीति (संकेत नीतीश कुमार की ओर) को लेकर उन्होंने कहा कि – *“[illegible]”*

तेजस्वी यादव ने विपक्षी दलों के बीच चल रही बैठकों और रणनीति को लेकर कहा कि बातचीत सकारात्मक दिशा में है। उन्होंने बताया कि **सीट बंटवारा, साझा न्यूनतम कार्यक्रम और चुनावी रणनीति** पर काम चल रहा है। सीएम चेहरा घोषित करने की जल्दबाज़ी करने के बजाय पहले जनता को विश्वास में लिया जाएगा।

विशेषज्ञ मानते हैं कि तेजस्वी यादव का यह बयान कई मायनों में अहम है।

1. इससे यह संदेश जाता है कि **RJD लचीलापन दिखा रही है** और गठबंधन में सामंजस्य बनाए रखना चाहती है।
2. यह बयान उन अटकलों पर भी विराम लगाता है जिनमें कहा जा रहा था कि विपक्षी गठबंधन में *CM ?? ?? ????? ?????????* चल रही है।
3. राजनीतिक दृष्टि से यह रणनीति हो सकती है कि चेहरा घोषित करने से पहले **जनता के मूड और चुनावी समीकरण** को समझ लिया जाए।

बिहार के युवाओं और किसानों में तेजस्वी यादव की लोकप्रियता लगातार बनी हुई है। *2015 ?? 2020 ?? ?????????* में उन्होंने बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाकर युवाओं का समर्थन हासिल किया था। अब जनता को उम्मीद है कि विपक्षी गठबंधन राज्य के विकास और रोजगार के ठोस रोडमैप के साथ सामने आएगा।

कई स्थानीय नागरिकों ने कहा कि उन्हें चेहरा घोषित करने से ज़्यादा फर्क नहीं पड़ता, लेकिन यह ज़रूरी है कि गठबंधन उनके मुद्दों पर गंभीरता से काम करे।

तेजस्वी यादव ने बार-बार यह दोहराया कि विपक्षी गठबंधन में कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी दलों का मकसद एक है – **बिहार मे बंदलाव और स्थायी विकास**। चेहरा चाहे जो भी हो, सरकार जनता की इच्छाओं और जनादेश के आधार पर ही बनेगी। इससे यह संकेत भी मिलता है कि विपक्ष **कलेक्टिव लीडरशिप मॉडल** को प्राथमिकता दे सकता है, जहां सभी दल मिलकर फैसले लें।

तेजस्वी यादव के इस बयान ने बिहार की राजनीति में **अनिश्चितता और भ्रम की स्थिति को काफी हद तक स्पष्ट कर दिया है।**

- मुख्यमंत्री का चेहरा सही समय पर तय होगा।
- जनता का जनादेश ही अंतिम फैसला करेगा।
- विपक्षी दलों का फोकस अभी चुनावी रणनीति और जनता तक अपने मुद्दे पहुँचाने पर है।

इस तरह, बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव केवल *?????????? ??????? ?? ????* नहीं बल्कि *????? ?? ????????? ?? ????????* की लड़ाई साबित हो सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.